



27 नक्षत्रों की सूची उनके स्वामी (शासक ग्रह), गण (प्रकृति/प्रकार) और अधिष्ठाता देवता के साथ।

1. अश्विनी

- स्वामी: केतु
- गण: देव (दिव्य)
- देवता: अश्विनी कुमार (दिव्य चिकित्सक)

2. भरणी

- स्वामी: शुक्र
- गण: मनुष्य (मानव)
- देवता: भगवान यम (मृत्यु और न्याय के देवता)

3. कृत्तिका

- स्वामी: सूर्य
- गण: राक्षस (दानव)
- देवता: अग्नि देव (अग्नि के देवता)

4. रोहिणी

- स्वामी: चंद्र
- गण: मनुष्य (मानव)
- देवता: भगवान ब्रह्मा / प्रजापति (सृष्टिकर्ता)

5. मृगशिरा

- स्वामी: मंगल
- गण: देव (दिव्य)
- देवता: सोम / चंद्र (चंद्र देवता)

6. आर्द्रा

- स्वामी: राहु
- गण: मनुष्य (मानव)
- देवता: भगवान रुद्र (तूफान के देवता एवं शिव का रौद्र रूप)

7. पुनर्वसु

- स्वामी: गुरु (बृहस्पति)
- गण: देव (दिव्य)
- देवता: देवी अदिति (देवताओं की माता)

8. पुष्य

- स्वामी: शनि
- गण: देव (दिव्य)
- देवता: भगवान बृहस्पति (देवताओं के गुरु)

9. अश्लेषा

- स्वामी: बुध
- गण: राक्षस (दानव)
- देवता: नाग / सर्प (सर्प देवता)

10. मघा

- स्वामी: केतु
- गण: राक्षस (दानव)
- देवता: पितर (पूर्वजों की आत्माएं)

11. पूर्वाफाल्गुनी

- स्वामी: शुक्र
- गण: मनुष्य (मानव)
- देवता: भगवान भग (समृद्धि और आनंद के देवता)

12. उत्तराफाल्गुनी

- स्वामी: सूर्य
- गण: मनुष्य (मानव)
- देवता: भगवान अर्यमा (अनुबंध और शौर्य के देवता)

13. हस्त

- स्वामी: चंद्र
- गण: देव (दिव्य)
- देवता: सविता / सूर्य (जागरण के प्रतीक सूर्य देव)

14. चित्रा

- स्वामी: मंगल
- गण: राक्षस (दानव)
- देवता: त्वष्टा / विश्वकर्मा (दिव्य शिल्पी/वास्तुकार)

15. स्वाति

- स्वामी: राहु
- गण: देव (दिव्य)
- देवता: पवन देव (वायु के देवता)

16. विशाखा

- स्वामी: गुरु (बृहस्पति)
- गण: राक्षस (दानव)
- देवता: इंद्र और अग्नि (देवताओं के राजा एवं अग्नि)

17. अनुराधा

- स्वामी: शनि
- गण: देव (दिव्य)
- देवता: भगवान मित्र (मित्रता और प्रकाश के देवता)

18. ज्येष्ठा

- स्वामी: बुध
- गण: राक्षस (दानव)
- देवता: भगवान इंद्र (देवताओं के राजा)

19. मूल

- स्वामी: केतु
- गण: राक्षस (दानव)
- देवता: देवी निर्ऋति (विनाश और मूल की देवी)

20. पूर्वाषाढ़ा

- स्वामी: शुक्र
- गण: मनुष्य (मानव)
- देवता: अपः (ब्रह्मांडीय जल की देवियां)

21. उत्तराषाढ़ा

- स्वामी: सूर्य
- गण: मनुष्य (मानव)
- देवता: विश्वेदेव (सार्वभौमिक देवता)

22. श्रवण

- स्वामी: चंद्र
- गण: देव (दिव्य)
- देवता: भगवान विष्णु (सृष्टि के पालनहार)

23. धनिष्ठा

- स्वामी: मंगल
- गण: राक्षस (दानव)
- देवता: अष्ट वसु (समृद्धि और प्रकाश के देवता)

24. शतभिषा

- स्वामी: राहु
- गण: राक्षस (दानव)
- देवता: भगवान वरुण (ब्रह्मांडीय जल और व्यवस्था के देवता)

25. पूर्वाभाद्रपद

- **स्वामी:** गुरु (बृहस्पति)
- **गण:** मनुष्य (मानव)
- **देवता:** अज एकपाद (एक पैर वाले अजन्मे ब्रह्मांडीय सर्प)

26. उत्तराभाद्रपद

- **स्वामी:** शनि
- **गण:** मनुष्य (मानव)
- **देवता:** अहिर्बुध्न्य (अथाह जल के सर्प)

27. रेवती

- **स्वामी:** बुध
- **गण:** देव (दिव्य)
- **देवता:** भगवान पूषा (यात्रियों और पशुधन के रक्षक)

<https://astroarpitanath.com/hindi/27-nakshatras-lord-gana-deity/>

ज्योतिष केवल मार्गदर्शन के लिए प्रदान किया जाता है। जीवन के महत्वपूर्ण निर्णयों के लिए, कृपया किसी योग्य पेशेवर से परामर्श लें।